● bordernewsmirror@gmail.com
● पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
● द्विभाषिक समाचार पत्र

02 सात जन्मों तक भाजपा के साथ नहीं जाएंगे नीतीश कुमार: ललन सिंह

04 अल्लाह जानता है मोहम्मद का मर्तबा से गूंजा शहर, शिद्दत से याद किए गए पैगम्बर

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

● पटना, शुक्रवार, 29 सितम्बर 2023 | www.bordernewsmirror.com | ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रुपए ● वर्ष: 04, अंक: 238

जहां कांग्रेस नेताओं के दौरे होते हैं वहां पर ईडी व आईटी के छापे पड़ते हैं: मल्लिकार्जुन खड़गे

भाजपा के लोग सिर्फ भेदभाव करने का काम करते हैं। देश के 5 प्रतिशत लोगों के पास 65 फीसदी तथा 50 प्रतिशत लोगों के पास सिर्फ 3 ही प्रतिशत की संपत्ति है।

बीएनएम@रायपुर/भाटापारा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को भाटापारा में श्रमिक सम्मेलन में कहा कि भाजपा ने सत्ता में आने के बाद श्रम कानूनों को कमजोर किया है। सिर्फ अमीरों के हक में कानून बनाये हैं। कांग्रेस जैसा काम गांव-गरीब-मजदूर-किसान के लिए करती है, वैसा भाजपा वाले सोच भी नहीं सकते हैं। उन्होंने कहा, "जहां कांग्रेस नेताओं के दौरे होते हैं, वहां ईडी-आईटी के छापे पड़ते हैं। हमें डरना नहीं, लड़ना है। डर गए तो समझो मर गए। देखते हैं कितना सताते हैं।" खड़गे ने अपने भाषण की शुरुआत डॉ. एमएस स्वामीनाथन को श्रद्धांजलि देने के साथ की। उन्होंने कहा कि डॉ. स्वामीनाथन फादर ऑफ ग्रीन रिवोल्यूशन थे, जिनकी तारीफ इंदिरा गांधी ने भी की थी।

कांग्रेस ने उनके योगदान के लिए राज्यसभा सांसद बनाया। इस अवसर पर दो मिनट का मौन रख कर डॉ. स्वामीनाथन को श्रद्धांजलि दी गई। कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि गरीब की जो मदद करता है, उसे याद रखा जाता है। इतिहास में सम्मान वही पाते हैं, जो गरीबों के लिए लड़ते हैं। जो गरीबों से लड़ते है, वो खुद ही खत्म होते हैं। आज भाजपा के लोग गरीबों को खत्म कर रहे हैं, अमीरों को बढ़ावा दे रहे हैं। राहुल गांधी ने कश्मीर तक पैदल यात्रा कर देश को जोड़ने का काम किया। भाजपा के सिर्फ भेदभाव करने का काम करते हैं। देश के 5 प्रतिशत लोगों के पास 65 फीसदी व 50 प्रतिशत के पास सिर्फ 3 प्रतिशत संपत्ति है।

खड़गे ने कृषक सह मजदूर सम्मेलन के दौरान महिला आरक्षण को लेकर बड़ी बात कही। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण में सभी वर्गों को आरक्षण मिलना चाहिए। ओबीसी की जनगणना होनी चाहिए। आरक्षित वर्ग को उनका पूरा हक मिलना चाहिए। कांग्रेस की यही मांग है, इसलिए हम जनता से उनका साथ चाहते हैं। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण बिल कोई नया नहीं है। राजीव गांधी ने तो पंचायत में ही महिलाओं आरक्षण दे दिया था। आज महिलाएं राजनीति में हर जगह हैं तो यह कांग्रेस की देन है। भाजपा के लोग पहले महिला आरक्षण का विरोध करते रहे।

आज भाजपा इसका श्रेय लेने में लगी है। हालांकि यह लागू कब होगा, इसका कोई अता-पता नहीं है। अगर भाजपा में इच्छाशक्ति है तो आज ही लागू कर दें। 2024 में लागू कर दें, हम तैयार हैं। खड़गे ने कहा कि भाजपा सिर्फ भ्रमित करने में लगी है। मोदी महिलाओं को आरक्षण आज नहीं दे रहे हैं, 2024 में भी नहीं देंगे, 2029 में भी नहीं देंगे। 10 करोड़ लोगों की नौकरी का वादा पूरा नहीं हुआ, 15 लाख लोगों के बैंक खाते में नहीं आये। किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई। ये सब एक जुमला ही निकला। बागेश्वर धाम सरकार पंडित धीरेंद्र शास्त्री पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि कुछ लोग जादू दिखाते हैं। जंतर-मंतर दिखाते हैं। आजकल बगैर सोचे-समझे बहुत से नौजवान लोग भी साधु बन रहे हैं। मैं किसी का नाम नहीं लेना चाहता। जंतर मंतर बताते हैं, लेकिन सतनामी समाज के गुरु अपने जीवन में दुखों को सहन करके, संघर्ष करके, लोगों को बचाने के लिए, धर्म के रास्ते में लाने के लिए और अच्छाई दिखाने के लिए काम किया है। आजकल ऐसी विचारधारा के लोग देश में बहुत कम हैं। छत्तीसगढ़ में खास करके गुरु घासीदास का सतनामी पंथ की स्थापना करने में बहुत बड़ा योगदान था। उनकी वजह से ही सतनामी पंथ यहां पर स्थापित हुआ। सही मार्ग किसी ने बताया तो वो घासीदास थे।

चिराग ने कहा, "इंडिया" गठबंधन में कई दल एक दूसरे के खून के प्यासे

बलिया। लोजपा (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने विपक्षी गठबंधन "इंडिया" पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन के कई ऐसे दल हैं जो एक दूसरे के खून के प्यासे हैं। उन्होंने कहा कि विपक्षी गठबंधन में शामिल दलों की व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएं बहुत अधिक हैं। पश्चिम बंगाल का जिक्र करते हुए कहा कि ये तमाम दल एक मंच पर आ जाएं और अपनी महत्वाकांक्षा को तिलांजलि दे दें, ऐसा होगा नहीं। आने वाले दिनों में अभी और कई विरोधाभास दिखाई देंगे। विपक्षी गठबंधन पर तंज कसते हुए कहा कि न सिर्फ दलों के बीच में बल्कि दलों के अंदर भी मतभेद हैं।

यह ऐसा गठबंधन है जो हर बार बनने से पहले ही बिखरने लगता है। 2014 से पहले और 2019 लोकसभा चुनाव से पहले भी इस प्रकार के गठजोड़ बने थे। उनका क्या हश्र हुआ? कहा कि जब एक मंच पर एक ज्यादा प्रधानमंत्री के दावेदार दिखाई दें तो सवाल पैदा होता है कि ऐसे गठबंधन के दल कैसे एक साथ रह सकते हैं। कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव की नोटिफिकेशन आते-आते ये तमाम दल अपनी अलग-अलग राह पर होंगे। उत्तर प्रदेश के पिछले विधानसभा चुनाव व लोकसभा चुनाव में सपा, बसपा और कांग्रेस के गठजोड़ का हवाला देते हुए कहा कि यदि तमाम दल विपक्षी एकता कर भी लेंगे तो कुछ नहीं होने वाला। किस सीट से लोकसभा चुनाव लड़ेंगे? इस सवाल पर कहा कि यह गठबंधन के भीतर बैठकर तय कर लिया जाएगा। महिला आरक्षण बिल पास होने पर कहा कि यह प्रधानमंत्री मोदी की इच्छाशक्ति का परिणाम है।

चिराग ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी भी इसी वर्ग से आते हैं। उन्होंने मंडल कमीशन को संवैधानिक दर्जा देने व रोहिणी कमीशन गठित कर दिखाया है कि वे पिछड़ों के हितैसी हैं। ओबीसी की मांग को भी जल्द पूरा करेंगे। कहा कि रामविलास पासवान ने सामाजिक न्याय की जो लड़ाई शुरू की थी उसे अंजाम तक पहुंचाने में जुटा हूं।

राहुल गांधी ने दिल्ली के कीर्तिनगर फर्नीचर मार्केट में कारीगरों से भी की है मुलाकात

बीएनएम@नई दिल्ली

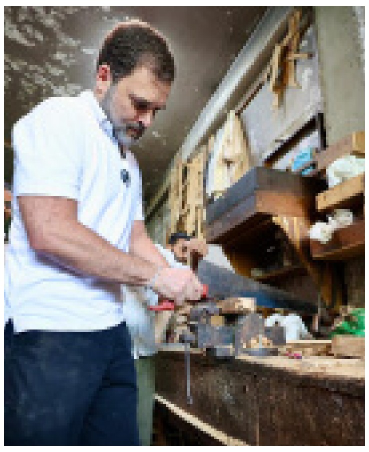

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व सांसद राहुल गांधी ने दिल्ली के कीर्तिनगर स्थित एशिया के सबसे बड़े फर्नीचर मार्केट जाकर गुरुवार को कारीगरों (बढ़ई) से मुलाकात की। मुलाकात की फोटो एक्स पर साझा करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि दिल्ली के कीर्तिनगर स्थित एशिया के सबसे बड़े फर्नीचर मार्केट जाकर आज उन्होंने बढ़ई भाइयों से मुलाकात की है।

उन्होंने कहा कि ये मेहनती होने के साथ ही कमाल के कलाकार भी हैं और मज़बूती और खूबसूरती तराशने में माहिर हैं। राहुल ने कहा कि इनसे काफ़ी बातें हुईं, थोड़ा उनके हुनर को जाना और थोड़ा सीखने की कोशिश की। उल्लेखनीय है कि इससे पहले राहुल गांधी दिल्ली में कुलियों से मुलाकात की थी। वह दिल्ली में छात्रों से भी मिल चुके हैं। उन्होंने पुरानी दिल्ली जाकर छोटे व्यापारियों से संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना था।

मणिपुर में हथियार व गोला-बारूद बरामद

बीएनएम@इंफाल

असम राइफल्स और मणिपुर पुलिस के संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान हिंसा प्रभावित मणिपुर में पांच अत्याधुनिक हथियार, सात तात्कालिक मोर्टार और युद्धक सामग्री बरामद की गई। आधिकारियों के अनुसार एक अन्य तलाशी अभियान के दौरान कल संयुक्त टीम ने मणिपुर के चुराचांदपुर जिले के बिजांग गांव के सामान्य इलाके से एक देसी स्वचालित राइफल, दो कार्बाइन मशीनगन, एक 9 एमएम पिस्तौल, एक सिंगल बैरल राइफल, सात तात्कालिक मोर्टार और युद्ध सामग्री बरामद की थी। इसी बीच, दो लापता छात्रों की मौत को लेकर राज्य में विरोध प्रदर्शन शुरू होने के बाद स्थिति अभी भी अस्थिर बनी हुई है।

छात्र समुदाय दो छात्रों की मौत पर न्याय की मांग में सभी एकजुट हो गये हैं, जिसके परिणामस्वरूप 27 सितंबर को उनके विरोध प्रदर्शन के हिंसक होने के बाद ही 150 छात्र घायल हो गए और बाद में उन्हें विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने शरारती तत्वों द्वारा बेरहमी से मारे गए दो छात्रों को न्याय दिलाने का आश्वासन देते हुए लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की गयी है।

नशीला | एफएसएल की प्राथमिक जांच में इसे कोकेन बताया गया है।

कच्छ में समुद्र के किनारे से मिला 500 करोड़ का 80 किलो ड्रग्स

-प्राथमिक जांच में कोकेन होने का अनुमान, स्थानीय पुलिस की पेट्रोलिंग में सफलता

बीएनएम@गांधीधाम

गुजरात के कच्छ जिले में समुद्र किनारे से एक बार फिर बड़ी मात्रा में ड्रग्स बरामद हुआ है। कच्छ के गांधीधाम में स्थानीय पुलिस के ऑपरेशन में यह बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने 500 करोड़ रुपये का 80 किलो ड्रग्स बरामद किया है। वहीं, एफएसएल की प्राथमिक जांच में इसे कोकेन बताया गया है। ड्रग्स मामले में पुलिस ने आरोपितों को पकड़ने के लिए छापेमारी भी शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार कच्छ जिले के समुद्र किनारे से लावारिस स्थिति में ड्रग्स बरामद किया गया है। पिछले दिनों से कच्छ-गांधीधाम पुलिस गश्त पर थी। इस दौरान पुलिस को लावारिस हालत में कई पैकेट्स मिले। पुलिस जांच में इसे ड्रग्स होने की शंका में एफएसएल की जांच कराई गई तो इसके कोकेन होने की जानकारी मिली। इतनी बड़ी मात्रा में ड्रग्स किसने मंगाई थी और इसे किसने भिजवाया था, इन सारे मुद्दों पर पुलिस ने जांच शुरू की है। राज्य सरकार और पुलिस उच्चाधिकारियों ने इतनी बड़ी मात्रा में ड्रग्स को बरामद करने पर कच्छ पुलिस को बधाई दी है।

अभी कुछ दिनों पूर्व भी कच्छ के समुद्र किनारे से बीएसएफ को गश्त के दौरान में ड्रग्स के पैकेट्स मिले थे। गुजरात के समुद्री रास्ते से ड्रग्स लाने की कई कोशिशों को भारतीय कोस्ट गार्ड, बीएसएफ और स्थानीय पुलिस ने विफल किया है। पिछले 5 साल के दौरान ही गुजरात से 35 हजार करोड़ रुपये से अधिक कीमत का ड्रग्स पकड़ा गया है।

भाजपा की कृपा से 5 बार सीएम की कुर्सी पर बैठे नीतीश कुमार : सम्राट

बीएनएम@पटना। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह के बयान कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भारतीय जनता पार्टी की तरफ देखना तो दूर थूकने भी नहीं जाएंगे पर बिहार की राजनीति गरमा गयी है। उनके बयान पर पलटवार करते हुए गुरुवार को बिहार भाजपा के अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा है कि नीतीश कुमार ने भाजपा पर कोई कृपा नहीं की है बल्कि भाजपा की कृपा से पांच बार मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठे। सम्राट चौधरी ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि जनता दल यूनाइटेड को बुला कौन रहा है ? भाजपा ने नीतीश कुमार को पलटू कुमार पहले ही घोषित कर दिया है। लालू प्रसाद नीतीश कुमार को पलटू कुमार कहते थे तो वे पलटू कुमार हो गए।

नीतीश कुमार पर भाजपा की कृपा है कि भाजपा ने उनकी राजनीतिक उत्पत्ति की। नीतीश कुमार की कोई कृपा भाजपा पर नहीं है बल्कि भाजपा की कृपा से वे बिहार के मुख्यमंत्री बनें। राजद पर कटाक्ष करते हुए सम्राट चौधरी ने कहा राजद के पास अपना वोट बैंक तो है लेकिन नीतीश कुमार के पास अब कोई वोट बैंक नहीं बचा हुआ है।

बिहार की 40 में से 40 सीटों पर भाजपा और एनडीए के उम्मीदवार जीत दर्ज करेंगे और नरेन्द्र मोदी फिर से देश के प्रधानमंत्री बनेंगे यह तय है। उन्होंने कहा भाजपा की मदद से ही कर्पूरी ठाकुर, लालू प्रसाद के साथ साथ नीतीश कुमार पांच बार बिहार के मुख्यमंत्री बनें लेकिन अब किसी और को नहीं बल्कि भाजपा के कार्यकर्ता को ही बिहार का मुख्यमंत्री बनाना है। बिहार में पिछले 33 वर्षों से दो ही सामंती हैं, एक का नाम है नीतीश कुमार और दूसरे का नाम लालू प्रसाद है। ये दोनों सामंती मिलकर बिहार को लूटने का काम तेजी से कर रहे हैं। इसलिए अब बिहार में बदलाव की बहुत ही जरूरत है।

मनोज झा के ठाकुरों पर विवादित बयान के खिलाफ करणी सेना ने पुतला दहन किया

बीएनएम@पूर्णिया। सांसद मनोज झा की ओर से ठाकुरों के खिलाफ दिये गये विवादित बयान के विरोध में श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना ने गुरुवार को अध्यक्ष रंजन कुणाल की अध्यक्षता में पुतला दहन आर एन साह चौक पर किया। सेना के प्रमंडलीय अध्यक्ष अवधेश कुमार सिंह ने कहा कि हम ब्राह्मण का विरोध नहीं करते हैं। यह समाजवाद का चोला पहनकर जो विवादित बयान मनोज झा ने दिया है ठाकुरों के खिलाफ हम इसका विरोध करते हैं।

ठाकुरों ने बालिदान दिया है ठाकुरों ने दान दिया है और ठाकुरों के बारे में इस तरह का अपमान बर्दाश्त नहीं करता है। इसका हम पुरजोर विरोध करते हैं। समाज में जाति वर्ग को जो बांटने का कार्य यह कर रहे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि राष्ट्रीय जनता दल के सह पर मनोज झा ने यह बात बोला है। सभी ने कहा मनोज झा होश में रहे होश में आकर बात करें अन्यथा इस पर उग्र आंदोलन किया जाएगा और आज से राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना यह मांग करती है। इससे मनोज झा के माफी मांगे नहीं तो उनका विरोध होगा आंदोलन होगा। जिसमें मुख्य रूप से दिनकर स्नेही, डॉक्टर मनोज, मनोज सिंह संजय सिंह, सुनील सिंह, सुमित सिंह, निर्मल सिंह, राजा सिंह, कुमार आनंद, छोटू सिंह आदि मौजूद थे।

सात जन्मों तक भाजपा के साथ नहीं जाएंगे नीतीश कुमार : ललन सिंह

बीएनएम@पटना

जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ जमकर हमला बोला और मीडिया में जान बूझकर भ्रम फैलाने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने गुरुवार को यहां कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विपक्षी एकता के प्रतीक हैं और वो सात जन्मों तक भाजपा के साथ नहीं जाएंगे। ललन सिंह ने कहा कि मोदी मीडिया मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के भाजपा के साथ जाने की झूठी खबरें दिखाकर लोगों के बीच भ्रम फैला रही है।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह मोदी मीडिया के डायरेक्टर हैं और उन्हीं के इशारे पर ये सारा काम हो रहा है। साथ ही कहा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की कोशिशों के चलते आज देश का पूरा विपक्ष एक मंच पर आया है जो साल 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की कोई नजदीकी भाजपा से नहीं है और वो राज्य के लोगों की भलाई के लिए दिन-रात अपना काम कर रहे हैं। विपक्षी आईएनडीआईए गठबंधन बन जाने के बाद केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार घबराहट में है और वो जान बूझकर ऐसी झूठी खबरें जनता में फैला रही है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने भाजपा नेता सुशील मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि उनके बयान का कोई भी नेता नोटिस नहीं लेता है। सुशील मोदी इसी तरह प्रतिदिन मीडिया में बने रहने के लिए अनाप-शनाप बयान देते रहते हैं। उन्होंने कहा कि वो चाहेंगे कि भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व ही उनके अनर्गल बयानों का नोटिस लेते है और उन्हें केंद्र में कोई अहम पद भी दे देते है।

बिहार के नवादा में तालाब में डूबने से चार बच्चों की हो गयी मौत

नवादा। वारिसलीगंज थाना क्षेत्र अन्तर्गत मोहद्दीपुर पंचायत के गंभीरपुर गांव स्थित तालाब में नहाने के दौरान चार बच्चों की मौत गुरुवार को पानी में डूबने से हो गई। गंभीर अवस्था में लोगों ने बच्चों को पीएचसी लाया। जहां चिकित्सक ने जांच कर मृत घोषित कर दिया। इन बच्चों की उम्र करीब 10 से 12 वर्ष के बीच की थी। मरने वाले बच्चों में तीन परिवार के कुल चार बच्चे हैं। एक ही घर से दो बच्चे की मौत हुई है। घटना शाम चार बजे की है। मृतकों में विनोद पासवान के पुत्र आयुष कुमार, उम्र 10 वर्ष, अजय पासवान के पुत्र समीर कुमार उम्र 10 वर्ष, जितेंद्र महतो के पुत्र श्रवण और रितिक की उम्र क्रमशः 9 और 11 वर्ष है। जिनकी मौत हुई है। सभी बच्चों का शव गांव ले जाया गया है। घटना को लेकर मनरेगा योजना में लापरवाही की बात सामने आई है। तालाब में कुछ महीनें पहले पंचायत समिति मद से तालाब की खुदाई व घाट का निर्माण किया गया था।

महिला आरक्षण पर वाहवाही लूटने वाली भाजपा उज्जैन की घटना पर मौन क्यों: उमेश कुशवाहा

बीएनएम@पटना

जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने उज्जैन रेप कांड पर भारतीय जनता पार्टी को आड़े हाथों लिया। उन्होंने गुरुवार को बयान जारी कर पूछा कि महिला आरक्षण के नाम पर देशभर में वाहवाही लूटने वाली भाजपा उज्जैन में नाबालिग छात्रा के साथ हुई अमानवीय और निर्मम घटना पर अब तक मौन क्यों है? बीते सप्ताह सदन में नारी शक्ति पर लंबे-लंबे भाषण देने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अब देश की बेटियों की चीख-पुकार सुनाई क्यों नहीं दे रही है?

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि महिलाओं के प्रति भाजपा असल में कितना संवेदनहीन है अब इसका हकीकत भी देश की जनता के सामने उजागर हो चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का चुनावी नारा भाजपा शासित राज्यों में ही दम तोड़ रहा है। भाजपा की तमाम राज्य सरकारें अब तक बेटियों के स्मिता की रक्षा करने में अक्षम साबित हुई है।

उन्होंने कहा कि भाजपा शासित प्रदेशों में माताएं-बहनें खुद को असुरक्षित महसूस कर रही हैं। चारों तरफ भय का माहौल है। कुछ महीने पहले ही मणिपुर की घटना ने पूरे विश्व में भारत को शर्मसार करने का काम किया और चंद दिनों पहले उत्तरप्रदेश के कौशाम्बी में भी गर्भवती दलित महिला को पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। मध्यप्रदेश में तो आए दिन महिलाओं पर अत्याचार से सम्बंधित रूह कंपाने वाली खबरें आती हैं, जिसकी फेहरिस्त बहुत लंबी है। जिन भी प्रदेशों में भाजपा की सरकार है, वहां अमूमन इसी तरह की घटनाएं घटित हो रही हैं।

एकजुट दोनों महागठबंधन के स्तम्भ हैं व विपक्षी दलों को एक मंच पर लाया है।

लालू यादव ने नीतीश कुमार से उनके आवास पर की मुलाकात

बीएनएम@पटना

राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने गुरुवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से उनके आवास पर मुलाकात की। दोनों के बीच बंद कमरे में आधे घंटे तक बातचीत हुई। लालू और नीतीश की मुलाकात पर तमाम कयासों के बीच जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने कहा कि दोनों महागठबंधन सरकार के स्तम्भ हैं। नीतीश कुमार ने देश में विपक्षी दलों को एक मंच पर लाया है। इसलिए दोनों की मुलाकात को कोई बड़ी बात नहीं समझनी चाहिए।

राजद सांसद मनोज झा के संसद में 'ठाकुर का कुआं' नामक कविता का पाठ करने के मामले में ललन सिंह ने उनका बचाव करते हुए कहा कि मनोज झा का उद्देश्य किसी जाति विशेष को टारगेट करना नहीं था। ठाकुर का मतलब एक मालिक से किया गया था और

मनोज झा ने यह भी कहा कि आप मुझे ही वो मान लिजिए। ललन सिंह ने कहा कि संसद में बयान देने के एक सप्ताह बाद ये सब शुरू हो गया। उन्होंने भाजपा पर ही निशाना साधा है।

सुशील मोदी ने कहा, हताश होकर ललन सिंह भाषा की मर्यादा खो रहे

बीएनएम@पटना

राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने कहा कि नीतीश कुमार सूरज (भाजपा) पर थूकने का दुस्साहस नहीं करेंगे। क्योंकि, ऐसा करने वाला खुद ही अपना चेहरा गंदा करता है। उन्होंने गुरुवार को बयान जारी कर कहा कि नीतीश कुमार के लिए भाजपा के दरवाजे बंद हैं। लालू प्रसाद उन पर भरोसा नहीं करते और पार्टी के सांसदों-विधायकों का भविष्य अनिश्चित है। इसलिए हताश जदयू अध्यक्ष ललन सिंह भाषा की मर्यादा खो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि देश की सबसे बड़ी और केंद्र सहित कई राज्यों में सत्तारूढ़ भाजपा के लिए मात्र एक राज्य में सीमित 44 विधायकों वाले दल के अध्यक्ष को बोलने से पहले अपनी हैसियत भी देखनी चाहिए। नीतीश कुमार सत्ता के लिए भाजपा और राजद, दोनों को बार-बार धोखा चुके हैं। उन पर कोई भरोसा नहीं करता।

नीतीश कुमार केवल लालू प्रसाद पर दबाव बनाने के लिए देवीलाल की जयंती में शामिल न होकर दीनदयाल उपाध्याय की जयंती में आए थे। इस पर उनके फिर से पलटी मारने की अटकल लगाना निराधार है।

सुशील मोदी ने कहा कि जिस व्यक्ति ने भाजपा से दूर रहने के लिए मिट्टी में मिल जाने की कसम तोड़ दी और जो अपना आधार वोट ट्रांसफर कराने की क्षमता भी खो चुके हैं, उन्हें एनडीए क्यों वापस लेगा?

आस्था व श्रद्धा के साथ मनाया गया अनंत चतुर्दशी का व्रत

बीएनएम@केसरिया। प्रखंड क्षेत्र में गुरुवार को अनंत चतुर्दशी का व्रत श्रद्धा व भक्ति के साथ मनाया गया। श्रद्धालुओं ने अनंत भगवान की पूजा कर संकटों से रक्षा करने की प्रार्थना की है। पंडित सुमन पाण्डेय ने बताया कि ऐसी मान्यता है कि इस व्रत से अनंत भगवान विष्णु व देवी लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है। इसके अलावे मंदिरों में भी सुबह से लेकर दोपहर तक कथा सुनने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ लगी रही। वहीं पंडित सुबोध मिश्रा ने बताया कि यदि अनंत चतुर्दशी व्रत करके चौदह गांठ वाले सूत का धारण कोई भी व्यक्ति लगातार 14 वर्ष तक नियम से करे तो उसे भगवान के विष्णु लोक की प्राप्ति होती है।

इंटरसिटी एक्सप्रेस को भाजपा सांसद डा संजय ने दिखाई हरी झंडी

बीएनएम@रामगढवा

रामगढ़वा की आम जनता की चिर प्रतिक्षित मांग अब पूरी हो गयी है। विशेषकर धरमिनिया, रामगढवा और मसनाडीह रेलवे प्वाइंट से राजधानी पटना तक आने जाने वाले यात्रियों की शिकायत अब समाप्त हो गयी है। उक्त बातें पश्चिमी चंपारण के भाजपा सांसद डा संजय जायसवाल ने गुरुवार को रामगढवा स्टेशन पर विस्तारित इंटरसिटी एक्सप्रेस के उदघाटन के दौरान जनसमूह को संबोधित करते हुए कही है। इस दौरान उन्होंने यह भी बताया है कि व्यापारिक दृष्टिकोण से भविष्य में रामगढवा रैक प्वाइंट का विस्तार होने जा रहा है।

रेलवे मंत्रालय ने इसके लिए कार्ययोजना बना रखी है। यहां कंटेनर भी भविष्य में उतरेगा। आने वाले दिनों में रामगढवा पूर्वी व पश्चिमी चंपारण में व्यापार का मुख्य केंद्र बनेगा। पूर्व मंत्री रामचंद्र सहनी ने लोगों को संबोधित करते

हुए कहा कि सुगौली विधानसभा की जनता के तरफ से इस कार्य के लिए स्थानीय सांसद व रेल मंत्री को बधाई है। साथ ही उन्होंने कहा कि भाजपा एक ऐसी पार्टी है जो विकास कार्यों को करने में विश्वास करती है। और इसे धरातल पर काम करके तब बोलती है न कि हवाबाजी करती रहती है। वहीं, विस्तारित इंटरसिटी एक्सप्रेस 55515/55516 को सांसद व पूर्व मंत्री व डी आर एम विनय श्रीवास्तव ने संयुक्त रुप से हरी झंडी दिखाकर रामगढवा से रवाना किया। उक्त एक्सप्रेस ट्रेन सुगौली से प्रतिदिन पूर्वाहण 5 बजे खुलेगी और रामगढवा में पूर्वाहण 5 बजकर 25 मिनट पर पहूंचेगी। यह विस्तारित एक्सप्रेस धरमिनिया, रामगढवा, मसनाडीह, रक्सौल, सीतामढी होते हुए पाटलिपुत्रा, तथा दानापुर तक जाएगी।

यह ट्रेन पूर्व में रक्सौल से सीतामढी होते हुए पाटलिपुत्रा, दानापुर तक जाती थी। इस ट्रेन से सुगौली से ही सांसद, पूर्व मंत्री व डीआर एम सहित रेलवे की टीम आयी थी। जहां भाजपा कार्यकर्ताओं ने रामगढवा में फूल माला से स्वागत किया। पूर्व रेलवे परामर्शदात्री सदस्य सह समाजसेवी पंकज कुमार पांडेय उर्फ लोहा पांडेय ने सांसद व पूर्व मंत्री को इस कार्य के लिए शाल ओढाकर स्वागत किया तथा भाजपा जिला उपाध्यक्ष हरिमोहन भगत उर्फ राजु भगत ने सांसद, पूर्व मंत्री व डीआर एम का धन्यवाद ज्ञापन व आभार प्रकट किया। इस मौके पर रक्सौल भाजपा के जिला अध्यक्ष अशोक पांडेय, डीआर एम विनय श्रीवास्तव, आरपीएफ इंस्पेक्टर ऋतुराज कश्यप, सब इंस्पेक्टर संतोष कुमार मिश्रा, स्टेशन अधीक्षक चंदेश्वर प्रसाद, भाजपा दोनों मंडल के अध्यक्ष पुष्पेंद्र तिवारी, मनोज सिंह, बजिला प्रवक्ता अश्विनी झा, प्रमोद तिवारी, प्रमोद सिंह, महामंत्री सोनु कुमार, विकास शर्मा, राम बाबु महतो, राजकिशोर सिंह, ज्योति नारायण महतो, राजा सहनी, आशीत तिवारी, प्रयाग महतो, राम बाबु कुमार सहित आदि लोग मौजूद थे।

तुरकौलिया जिप सदस्य आभा देवी बनी राजद के जिला उपाध्यक्ष

बीएनएम@तुरकौलिया

राष्ट्रीय जनता दल द्वारा आभा कुमारी को जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया है। पूर्व मंत्री सह राष्ट्रीय महासचिव श्याम रजक ने अपने हाथों आभा कुमारी को मनोनयन पत्र सौंपते हुए जिला उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी है। इस दौरान विहार सरकार के अति पिछड़ा विभाग के मंत्री अनीता देवी, विधि मंत्री डॉ0 शमीम अहमद, मंत्री इसराइल मंसूरी, विहार राज्य अनुसूचित जाति के अध्यक्ष राजेंद्र राम, सुगौली विधायक ई0 शशिभूषण सिंह, मोतिहारी मेयर प्रीति कुमारी आदि के अलावे पार्टी के गणमान्य नेतागण मौजूद थे।

वही नव मनोनित जिला उपाध्यक्ष आभा कुमारी ने जिला उपाध्यक्ष बनने पर पार्टी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो नई जिम्मेदारी मिला है। वह उसे पुरी इमानदारी से निभाएंगीं। साथ ही कहा कि राजद गरीबों की पार्टी है। बेजुबानों की जुबान है। आज भी गरीबों के विकास के लिए तत्पर रहते हैं। कई

जन कल्याणकारी योजनाएं बनाकर उन्होंने दबे-कुचले लोगों को लाभ पहुंचाने का काम किया है। उन्होंने ने यह भी कहा कि गरीबों के मसीहा राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के सपनों को वह साकार करने का काम पुरे मन से करेंगीं। इसके साथ ही अपने संगठन को मजबूत करने का काम भी करते रहेंगीं।

दलित, महादलित, पिछड़ा, अतिपिछड़ा, अकलियतें सहित सभी वर्गों का आवाज बनकर उनके सभी समस्याओं को सरकार तक पहुंचाने का काम भी हमेशा करती रहुगीं। यहां बताते चलें कि तुरकौलिया जिला परिषद क्षेत्र संख्या 20 से बंपर वोटो से चुनाव जीतकर आभा कुमारी जिला पार्षद बनीं है। वह बहुत ही साफ सुथरी छवि के मालिक व महिला नेता होने के कारण ही आभा कुमारी क्षेत्र में काफी लोकप्रिय महिला नेता हैं। समाज में उनकी गहरी पैठ है। इनके जिला उपाध्यक्ष बनने से यक़ीनन पार्टी पहले से और मजबूत होगी। कार्यकर्ताओं में भी खुशी की लहर है।

आयुष्मान भव: कार्यक्रम के तहत 30 को सेवक पखवारा कार्यक्रम होगा

पताही। पताही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एक बैठक कर आयुष्मान भव कार्यक्रम के तहत सेवा पखवाड़ा शनिवार को आयोजित करने का निर्णय लिया गया। यह जानकारी पताही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ शंकर बैठा ने दिया। उन्होंने बताया कि इस पखवाड़ा के दौरान आयुष्मान आपके द्वार 3.0 सभी योग्य लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड वितरित किया जाएगा, सभी बीमारियों का उपचार एवम जांच किया जायेगा, अंगदान प्रतीक्षा, रक्तदान शिविर अभियान आयोजित किया जाएगा,

इसमें स्वास्थ्य सेवाएं विशेषकर आयुष्मान कार्ड, आभा आईडी, सिकल सेल डिजीज आदि अनेको चिज के लिए जागरूकता उत्पन्न करना है। वही इस बैठक में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ शंकर बैठा के अलावा प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक राज कुमार, डॉ अमजद करीम, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी महबूब अली, रितेश पाठक, एएनएम रिंकी, ज्योति कुमारी के साथ अनेको स्टाफ उपस्थित रहे।

हुणदंग मंच पर आगे बैठने को लेकर मारपीट शुरू हुई फिर खुद विधायक मनोज यादव ने लाठी भँजना शुरू कर दिया।

हंगामे तथा लाठी-डंडे के बीच सम्पन्न हुआ राजद अति पिछड़ा एकता का सम्मेलन

सागर सूरज

मोतिहारी। हंगामे, लाठी- डंडे और जम कर मारपीट के बीच मोतिहारी मे राजद के अतिपिछड़ा विंग के एकता के मद्देनजर आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम मे राजद के कई नेता, मंत्री और विधायकों की उपस्थिति में जमकर लातम-जुतम करते जुए जिले के राजद नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अपनी एकता का परिचय दिया। राजद विधायक मनोज यादव के "लाठी ज्ञान" की प्रशंसा भी चहुओर हो रही है।

राजा बाजार स्थित बापू सभागार मे आयोजित इस कार्यकर्ता सम्मेलन में स्पष्ट रूप से जिले के राजद नेताओं के बीच गुटबाजी दिखी, वही राजद जिलाध्यक्ष सह कल्याणपुर विधान सभा के विधायक मनोज यादव गुट और राजद के प्रदेश उपाध्यक्ष सह मोतिहारी

संसदीय क्षेत्र के पूर्व राजद प्रत्याशी विनोद श्रीवास्तव दोनों ही इस कार्यक्रम के माध्यम से अपनी अपनी शक्ति प्रदर्शन कर रहे थे। सैकड़ों गाड़ियों के काफिले लेकर दोनों ही पक्षों के नेता कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे उसके बाद मंच पर आगे बैठने को लेकर पहले तो कार्यकर्ताओं के बीच मारपीट शुरू हुई फिर खुद विधायक मनोज यादव ने भी लाठी भँजना शुरू कर दिया। लाठी भाँजने के दरम्यान विधायक मनोज यादव ने अपने बेहतर 'लाठी ज्ञान' का परिचय देते हुए कइयों को दे मारा फिर क्या था। इस एकता कार्यक्रम मे भाग ले रहे राज्य स्तरीय नेता और मंत्री जो दहशत मे एक कोने मे सिकुड़े थे। हस्तक्षेप किया और दोनों की पक्षों को शांत किया। जानकारों का मानना है कि इस लाठी ज्ञान मे विनोद श्रीवास्तव के समर्थक काफी पीछे रहे और कइयों को जख्म भी लगे है। बताया गया कि विनोद श्रीवास्तव अपने समर्थकों के साथ काफिले के साथ थोड़ी देर से कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे तब तक मंच के आगे की सीट पर सभी नेता आसन जमा चुके थे। आगे सीट नहीं मिलने से विनोद श्रीवास्तव के समर्थक नाराज हो गए। फिर शुरू हुआ दे दना-दन, इस अद्भुत एकता से जिले के विभिन्य कोने से शामिल होने आए दलित और अति पिछड़े के लोग दहशत मे दिखे, वही विधि मंत्री शमीम अहमद एवं अन्य नेताओं के प्रयास शांति स्थापित हुई एवं देर शाम तक कार्यक्रम चलता रहा। बात दें कि विनोद श्रीवास्तव और मनोज यादव आगामी लोकसभा चुनाव में टिकट को लेकर वरीय नेताओं को प्रभावित करने मे लगे है।

मिलादुन्नबी के मौके पर रक्तदान शिविर का किया गया आयोजन

मोतिहारी। मोहम्मद साहब की जन्मदिन पर रोटी बैंक एवं एम0जी0 ट्रस्ट आयोजित करता है रक्तदान शिविर। रबीउल अव्वल ईद मिलादुन्नबी का दिन है। पूरी दुनिया के लिए रहमत बन कर आए प्यारे मोहम्मद सल्ललाहु अलैहि वसल्लम की यौमे पैदाइश का पावन दिन है। हर साल की तरह इस साल भी मुकद्दस मौक़े पर एम जी एजुकेशनल ट्रस्ट एवं रोटी बैंक के द्वारा एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। जिसमें इंसानी ज़िंदगी को बचाने के लिए रक्तदान करने वालों में नासिर ख़ान, रक्तदाता संरक्षण समिति संयोजक, कांग्रेस नेता इफ़्तेख़ार ख़ान, युवा समाजसेवी इम्तियाजुदीन खान, मो. समीउल्लाह खान, मो.इम्तियाज, पप्पू अली एवं अन्य लोगों ने रक्तदान किया है।

हजरत मुहम्मद ने पूरी दुनिया को इंसानियत का पाठ पढ़ाया

बीएनएम@केसरिया। हजरत मुहम्मद की जयंती के अवसर गुरुवार को क्षेत्र के विभिन्न जगहों पर निहायत अदब व एहतराम और हर्षोल्लास के साथ जुलूस ए मोहम्मदी का आयोजन किया गया। जिसमें हजारों लोगों ने शिरकत किया। पदुमन छपरा स्थित मदरसा के तत्वावधान में जुलूस निकाला गया।

यह जुलूस मस्जिद मोहल्ला, आदर्श नगर, नया बाजार, देवीगंज, थाना चौक होते हुए मदरसा पर वापस पहुँचा। जहाँ ईद मिलादुन्नबी की महफिल का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता मौलाना नेमतुल्लाह ने किया है। वहीं, इस अवसर पर मौलाना अनीसुर्रहमान चिश्ती ने हजरत मुहम्मद की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हजरत मुहम्मद इंसानियत के मसीहा बनकर के आये। पूरी दुनिया को मानवता का पाठ पढ़ाया।

वहीं खिजिरपुरा स्थित मदरसा में इस अवसर को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यहाँ मदरसा से एक जुलूस निकालकर विभिन्न गाँव का भ्रमण किया गया। इस क्रम में हजरत मुहम्मद साहब के पैगाम को सभी जन जन तक पहुंचाया गया है। इधर, कौमी एकता फ्रंट की ओर से भी इस अवसर पर एक मिलादुन्नबी का आयोजन किया गया है।

फ्रंट के अध्यक्ष वसील अहमद खान ने हजरत मुहम्मद साहब की जीवनी पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर मौलाना मो मुमताज आलम, आलम मोहम्मद, रेयाजुल हक, ग्यासुद्दीन, मो रहीम, इरशाद आलम, कारी अब्दुल गनी, सिराजुद्दीन सिराजी, ओबैद रजा, मोहम्मद आलम, अख्तर अली,मोहम्मद सलीम, अशरफ अली, लाल बाबू, अफजल हुसैन, मोहम्मद इदरीश, हाजी मोहम्मद हबीब, मोहम्मद मुश्ताक, रियाज उल हक, नबील अहमद खान, रहीमुद्दीन, मोहम्मद अनवर अली, मोहम्मद जमील, मोहम्मद नसरुद्दीन समेत अन्य मौजूद थे।

अब सत्तारूढ़ राजद के नेता को सोये अवस्था में गोली मारी, राजनीतिक कारणों की चर्चा

बेगूसराय। जिले में स्तारूढ़ दल राष्ट्रीय जनता दल के नेता की हत्या कर दी गई। राजद नेता बुधवार रात को खाना खाने के बाद सोने चले गए थे। इसी दौरान अपराधियों ने उन्हें गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया। राजद नेता की मौत के सूचना पर इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना बलिया थाना क्षेत्र के मसुदनपुर दियारा की है। मृतक नेता की पहचान मसुदनपुर निवासी अनिरुद्ध चौधरी के रूप में की गई है। परिजनों का कहना है कि अनिरुद्ध चौधरी राजद के सक्रिय नेता थे एवं अपने घर से थोड़ी दूर अवस्थित डेरा पर खाना खाने के बाद सोने के लिए चले गए थे।

बीती रात किसी वक्त अपराधियों ने उन्हें अपना निशाना बनाया और सोये अवस्था में ही उनकी गोली मारकर हत्या कर दी। अनिरुद्ध चौधरी अच्छे स्वभाव के व्यक्ति थे और उनकी किसी से कोई जाति दुश्मनी नहीं थी। लोगों को आशंका है कि किसी राजनीतिक कारण से ही अनिरुद्ध चौधरी की गोली मारकर हत्या की गई है। पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। अब पुलिस अनुसंधान के बाद ही पता चल पाएगा कि आखिर अनिरुद्ध चौधरी की हत्या किसने और क्यों की गई। पुलिस का कहना है कि हत्या के कारणों का पता लगाया जा रहा है। कुछ लोगों से पूछताछ की जा रही है। तलाश में छापेमारी चल रही है।

शादी की तो मार डालेंगे; नहीं मानी अब 5 महीने बाद 6 गोलियां मारकर हत्या की

वैशाली। जिले में अपराधियों ने एक युवक को शादी करने के कारण गोली से छलनी कर दिया। परिजनों का कहना है कि उसे लगातार धमकी मिल रही थी कि जहां तुम्हारी शादी हो रही है, अगर वहां शादी करोगे तो मारे जाओगे। गुरूवार की सुबह अपराधियों ने उस युवक को गोली से छलनी कर दिया। घटना डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव के विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत बिदुपुर थाना क्षेत्र के रहीमपुर की है।

मृतक की पहचान रहीमपुर के ऊंचा डीह निवासी बलिराम सिंह उर्फ बल्लम सिंह के पुत्र पंकज कुमार (30) के रूप में की गई है। परिजनों का कहना है कि पंकज ब्रिटेनिया कम्पनी में काम करता था। रात की ड्यूटी पूरी कर सुबह में वह घर लौट रहा था तभी रहीमपुर पेट्रोल पंप के समीप पहले से घाट लगाये अपराधियों ने ताबड़तोड़ उसपर फायरिंग करने लगे। उसे कुल 6 गोली लगी है। घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। मृतक तीन भाई में सबसे बड़ा था और उसके पिता किराये पर वाहन चलाते हैं। मृतक पंकज की हत्या करने को लेकर पूर्व से ही उसे धमकियां मिल रही थी। इस वजह से मृतक के पिता बलिराम सिंह ने बिदुपुर थाना में दो बार आवेदन देकर जान माल की सुरक्षा की गुहार लगाई थी। मृतक के पिता बलिराम सिंह ने बीते 24 मई और 12 अगस्त को बिदुपुर थाना में आवेदन दिया था। आवेदन में उन्होंने लिखा था कि 5 महीना पहले शादी हुई थी और शादी के चार दिन पहले 7632866230 नंबर से फोन कर शादी करने से मना किया गया था।

बारिश के अभाव में सूख रहा धान, किसानों की बढ़ी चिंता

बीएनएम@बेतिया। पश्चिमी चंपारण जिला में पिछले लगभग 15 दिनों से बिल्कुल भी बारिश न होने से किसानों के चेहरे मुरझाए हुए हैं। आसमान में काले बादल बेशक नजर आ जाएं,पर वो कभी-कभार ही बरसते हैं। ठीक से बारिश नहीं होने की वजह से खरीफ फसलों पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं।मॉनसून के शुरू में हुई थोड़ी बारिश देखकर किसानों ने धान की फसल लगा दी थी लेकिन तपती धूप ने धान के पौधों को पीला कर दिया है।

जिला के योगापट्टी ब्लॉक स्थित पिपरहिया,सिसवा बैरागी,पिपरा नौरंगिया आदि पंचायत के किसान भी बारिश नहीं होने से काफी निराश हैं। राधा राम,शिवजी साह,नौशाद अंसारी, मोनाब अंसारी कहते हैं कि किसानों को लग रहा था कि बारिश होगी,तो धान की फसल खूब अच्छी होगी,लेकिन बढ़ती गर्मी से धान के पौधे सूखते जा रहे हैं।किसानों ने सरकार से किसानों की मदद करने की मांग भी की।बारिश नहीं होने की वजह से किसानों को मजबूरी में पंपसेट लगाकर सिंचाई करनी पड़ रही है। पंपसेट द्वारा एक घंटे की सिंचाई की कीमत 150 रुपये है। एक छोटे खेत की सिंचाई करने में किसान को लगभग 3 से 4 घंटे का वक्त लग जाता है।

किसान राजेन्द्र महतो, अतिगुलाब अंसारी, वीरेन्द्र प्रसाद, राजेश्वर साह कहते हैं कि पहले समय पर बारिश होती थी इसलिए कोई दिक्कत नहीं होती थी, लेकिन अब समय पर बारिश नहीं होने की वजह से पंपसेट लगाकर सिंचाई करनी पड़ती है। इसमें बहुत ज्यादा पैसा लग जाता है। लेकिन अनाज बेचते वक्त उस हिसाब से दाम नहीं मिलता।किसानों का कहना है कि यदि अच्छी बारिश नहीं हुई तो इस साल धान की खेती होना मुश्किल है। वहीं इस संबंध में प्रखंड कृषि पदाधिकारी विजय कुमार दास ने फोन पर बताया कि प्रखंड में धान की बुआई लगभग 100 फीसद तक हुई है। डीजल पर अनुदान को लेकर 1811 आवेदन प्राप्त हुए हैं।

मददगार नबी ने पूरी दुनिया को प्रेम सद्भाव व भाईचारे की तालीम दी। वे रहमत बनकर आए उनका जीवन सबों के लिए अनुकरणीय है।

अल्लाह जानता है मोहम्मद का मर्तबा से गूंजा शहर, यौमे पैदाइश पर शिद्दत से याद किए गए पैगम्बर

पूरी दुनिया के लिए रहमत बनकर कर आए थे हजरत मोहम्मद

निकाला गया मोहम्मदी जुलूस, हजारो की संख्या में अकीदतमंदों ने की शिरकत

बीएनएम@मोतिहारी

अल्लाह जनता है मोहम्मद का मर्तबा...की गूंज से रविवार को पूरा शहर गूंजता रहा। पैग़ंबर -ए- इस्लाम हजरत मोहम्मद के यौम -ए- पैदाइश को ईद -ए- मिलादुन्नबी के रूप में मनाया और अकीदतमंदो ने जगह-जगह जुलूस ए मोहम्मदी निकाला। जुलूस मदरसा गौसिया नूरिया रघुनाथपुर, बलुआ, बरियारपुर, राजा बाजार, अगरवा चौक, मीना बाजार चौक, ज्ञान बाबू चौक, जान पुल चौक, चांदमारी चौक होते हुए बलुआ चौक पर पहुंचा। जलूस में रसूल के दीवानों ने काफी बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और रस्में पूरी की। इस दौरान बलुआ मस्जिद के पूर्व इमाम मौलाना मोहम्मद जैनुद्दीन खान से बातचीत के दौरान बताया कि आज ही के दिन आखरी पैगंबर इस दुनिया में तशरीफ लाए थे कहा कि नबी ने पूरी दुनिया को प्रेम सद्भाव और भाईचारे की तालीम दी। पूरी दुनिया के लिए वे रहमत बनकर आए और उनका जीवन सबों के लिए अनुकरणीय है। वही मस्जिद ए गौसिया नूरिया के मौलाना इमरान आलम ने नबी की जिंदगी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नबी ने सामाजिक कुर्तियां और आपसी नफरत से इंसानी समाज को मुक्ति दिलाई।

बलुआ मस्जिद के इमाम मोहम्मद रजाउल्लाह नक्शबंदी ने कहा कि तमाम जहानों के लिए रहमत बनकर आए इंसानों को जीने का सलीका प्रदान किया। वही जुलूस ए मोहम्मदी के दौरान नारे तकबीर नारे रिसालत का नारा बुलंद होता रहा। बलुआ चौक पर जलूस का समापन हुआ और वतन के अमन चैन व सलामती की दुआ मांगी गई...गौरतलब हो कि हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहो ताला अलैहे वसल्लम ने ही इस्लाम धर्म की स्थापना की। इस्लामिक मान्यता के अनुसार हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहो ताला अलैह वसल्लम ही इस्लाम के आखिरी नबी है उनके बाद अब कयामत कोई नबी नहीं आने वाले हैं।

मुहम्मद साहब का जन्म 12 रबीउल अव्वल 571 ई.वी. को मक्का शहर में हुआ था... जुलूस -ए- मोहम्मदी के दौरान प्रशासनिक विधि व्यवस्था अलर्ट मोड में दिखी तथा जगह-जगह पर पुलिस के जवान तैनात किए गए थे। उक्त मौके पर अमजद रजा अमजदी, तथा मासूम रज़ा मिस्बाही, मौलाना कौशर नूरी, हफ़ीज आफताब साहब, एनाम खान, सईदुल होदा, सद्दाम हुसैन, मुजाहिद हुसैन, जाहिद हुसैन, जफर आलम, दाऊद इकबाल, ताहिर हुसैन मोहम्मद साहब, शौकत आलम, जहिर आलम, शाहमोहम्मद साहब, आसिफ रज़ा सहित सैकड़ों की संख्या में लोग वहां पर मौजूद थे।

समीक्षा : टिकाऊ चमचों की वापसी वैचारिक व्यंग्य संग्रह है

विवेक रंजन श्रीवास्तव , भोपाल

किताब की शुरुवात लेखक के मन में उद्भूत विचारों से होती है. लेखक लिखता है . कम्पोजर कम्पोज कारता है. अक्षर शब्द और शब्द वाक्य बन जाते हैं, भाव मुखर हो उठते हैं. प्रकाशक छापता है. समारोह पूर्वक किताबों के विमोचन होते हैं. समीक्षक चर्चा करते हैं. किताब विक्रेता से होते हुये पाठक तक पहुंचती है. पाठक जब पुस्तक पढ़कर लेखक की वैचारिक यात्रा में बराबरी से भागीदारी करता है, तब किंचित यह यात्रा गंतव्य तक पहुंचती लगती है.

रचना के दीर्घगामी प्रभाव पड़ते हैं. लेखक सम्मानित होते हैं, पाठक रचनाकार के प्रशंसक, या आलोचक बन जाते हैं. अर्थात किताब की यात्रा सतत है, लम्बी होती है. अशोक व्यास व्यंग्य के मंजे हुये प्रस्तोता हैं. टिकाऊ चमचों की वापसी उनकी दूसरी किताब है. सुस्थापित लोकप्रिय, भावना प्रकाशन से यह कृति अच्छे गेटअप में प्रकाशित है.

सूर्यबाला जी ने प्रारंभिक पन्नो में अपनी भूमिका में पाया है कि लेखक अपने व्यंग्य कर्म में कहिं भी असावधान नहीं है. लालित्य ललित ने संग्रह के व्यंग्य पढ़कर आशा व्यक्त की है कि अपने आगामी संग्रहों में लेखक की चिंताये और व्यापक व अंतर्राष्ट्रीय हों. इस संग्रह में बत्तीस व्यंग्य हैं. पाठको के लिये विषयों पर सरसरी नजर डालना जरूरी है. अंग्रेजी घर पर है ?, अजब गजब मध्य प्रदेश , अध्यक्ष जी नहीं रहे. अध्यक्ष जी अमर रहें, आइए सरकार, जाइए, आभासी दुनिया का वास्तविक बन्दा, कलयुग नाम अधारा आपका आधार कार्ड, कृत्रिम बुद्धिमत्ता का भारतीय तरीका, कोरोना कल्चर का प्रभाव, कोरोना की कृपा, गोद ग्रहण समारोह, जा आ आ जा आ आ दू !

जा आ आ दू , टिकाऊ चमचों की वापसी, ताली बजाओ ताल मिलाओ, दामाद बनाम फूफाजी, बुरा नहीं मानेंगे... चुनाव है, भारत निर्माण यात्रा, मध्यक्षता करा लो... मध्यक्षता, रंगबाज राजनीति, लिव आउट अर्थात छोड़ छुट्टा, विश्व युद्ध की संभावना से अभिभूत , सड़क बनाएँ, गड्ढे खोदें सतर्क मध्यमार्गी , सत्तर प्लस का युवा गणतन्त्र, साहित्यमति का बाहुबली साहित्यकार, सेवा के लिए प्रवेश, ज्ञान के लिए प्रस्थान, सोशल मीडिया के ट्रैफिक सिग्नल, हलवा वाला बजट , हाँ. मैं हूँ सुरक्षित !

होली के रंग बापू के संग, ईश्वर के यहाँ जल वितरण समस्या, जैसे दूरदर्शन के दिन फिरे और पोस्ट वाला ऑफिस डाकघर शीर्षकों से हजार, पंद्रह सौ शब्दों में अपनी बात कहते व्यंग्य लेखों को इस पुस्तक का कलेवर बनाया गया है. टाइटिल लेख टिकाऊ चमचों की वापसी से यह अंश उधृत करता हूं, जिससे आपको रचनाकार की शैली का किंचित आभास हो सके. प्लास्टिक के चमचों की जगह फिर धातुओ के चम्मचों का इस्तेमाल पसंद किया जा रहा है, यूज एण्ड थ्रो के जमाने में स्थायी और टिकाउ चमचों की वापसी स्वागत योग्य है . वह चमचा ही क्या जो मंह लगाने के बादस फेंक दिया जाये ... जैसे स्टील के चमचों के दिन फिरे ऐसे सबकें फिरें ... . अशोक व्यास अपने इर्द गिर्द से विषय उठाकर सहज सरल भाषा में व्यंग्य के संपुट के संग थोड़ा गुदगुदाते हुये कटाक्ष करते दिखते हैं .

परसाई जी ने लिखा था बलात्कार कई रूपों में होता है . बाद में हत्या कर दी जाती है . बलात्कार उसे मानते हैं जिसकी रिपोर्ट थाने में होती है. पर ऐसे बलात्कार असंख्य होते हैं जिनमें न छुरा दिखाया जाता है न गला घोंटा जाता है , न पोलिस में रपट होती है।

अशोक जी ने हम सबके रोजमर्रा जीवन में हमारे साथ होते विसंगतियों के ऐसे ही बलात्कारों को उजागर किया है, जिनमें हम विवश यातना झेलकर बिना कहीं रिपोर्ट किये गूंगे बने रहते हैं . उनकी इस बहुविषयक रिपोर्टो पर क्या कार्यवाही होगी ? कार्यवाही कौन करेगा ? सड़क पर लड़की की हत्या होती देखने वाला गूंगा समाज ? व्हाटस अप पर क्रांति फारवर्ड करने वाले हम आप ? या प्यार को कट पीसेज में फ्रिज में रखकर प्रेशर कुकर में प्रेमिका को उबालकर डिस्पोज आफ करने वाले तथाकथित प्रेमी ?

हवा के झोंके में कांक्रीट के पुल उड़ा देने वाले भ्रष्टाचारी अथवा सत्ता के लिये विदेशों में देश के विरुद्ध षडयंत्र की बोली बोलने वाले राजनेता ? इन सब के विरुद्ध हर व्यंग्यकार अपने तरीके से, अपनी शैली में लेखकीय संघर्ष कर रहा है . अशोक व्यास की यह कृति भी उसी अनथक यात्रा का हिस्सा है . पठनीय और विचारणीय है .

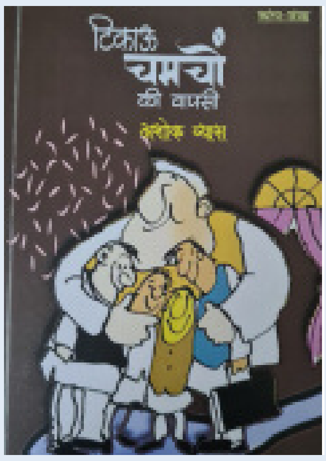

पुस्तक चर्चा

टिकाऊ चमचों की वापसी
अशोक व्यास
भावना प्रकाशन, दिल्ली
संस्करण २०२१
अजिल्द , पृष्ठ १२८, मूल्य १९९ रु
चर्चा... विवेक रंजन श्रीवास्तव, भोपाल

मैं कह सकता हूं कि टिकाऊ चमचों की वापसी वैचारिक व्यंग्य संग्रह है. अशोक व्यास संवेदना से भरे, व्यंग्यकार हैं . संग्रह खरीद कर पढ़यि आपको आपके आस पास घटित, शब्द चित्रों के माध्यम से पुनः देखने मिलेगा . हिन्दी व्यंग्य को अशोक व्यास से उम्मीदें हैं जो उनकी आगामी किताबों की राह देख रहा है.

एक लम्बी उड़ान सफलता की ओर

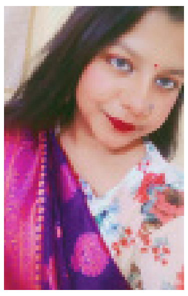

ये है जानभी चौधुरी, जो की ओड़िशा की रहने वाली है। ये एक ग्रेजुएट शिक्षक है। इन्हे संगीत गाना, पेन स्केच करना, प्रकृति फोटोग्राफी करना, सबकी मदत करना, नया कुछ सिखना और नृत्य करना बेहत पसंद है। पहले से इनको लिखना इतना पसंद नहीं था, मगर इनके जीबन में कुछ ऐसा हुआ की, वह डिप्रेशन से गुजरने लगी थी, उनकी मानसिक स्थिति का असर उनके पढ़ाई और तबीयत पर होने लगा, उनकी दशा बहुत बुरी हो गयी थी मगर तभी से उन्होंने लिखना शुरू किया, अपने अंदर के जज़्बातों को कागज़ में ज़ाहिर करना शुरू किया।

अपने हाल को शब्दों में पिरोना शुरू किया। मगर वह कभी हार नहीं मानी और डटकर अपने परिस्थिति का सामना किया और तब इनके माता -पिता ने ही इनका खोया हुआ आत्मबिस्वास बढ़ाया।

वह कहती है, सब हमे समझाने लगे मगर असर तब हुआ जब हम खुदके साथी बने, खुदसे प्यार करना सीखा और अँधेरे में गिरते - संभलते उसने अकेले रोशनी में चलना सिख ही लिया। और आज उन्हे लिखते -लिखते 3-4 साल हो गए हैं।

वह बिश्वास करती है, जो पहले लिखना पसंद नहीं करती थी आज उसी लेखन से उसके जीबन को एक नयी दिशा दे दी है और ऐसी कोई जगह नहीं है की, जहाँ उनका लिखन न हो, उन्हे कविता, गद्य, शायरी, मोटिवेशनल स्टोरी और अनुच्छेद लिखना बहुत पसंद करती हैं।

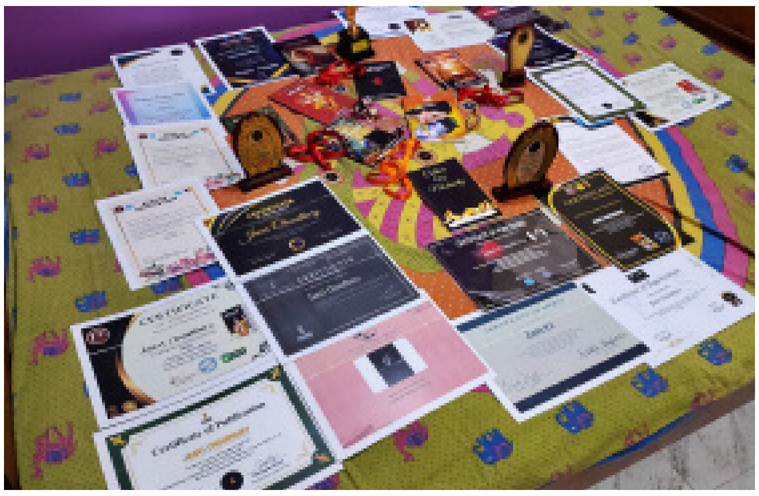

स्टोरी मिरर पर भी उनका लिखन है और वह पॉडकास्ट भी करती है। आज न जाने कितने भटके लोगों को वह रास्ता दिखा चुकी हैं। उनका लक्ष्य है की वह सबकी मदत करें, जिस अवस्था से वह गुज़र चुकी है, उससे कोई और न गुज़रे

।वह समाज के लिए आज के युवा के लिए अपने लिखन के माध्यम से मदत करना चाहती है। उनका इंस्टाग्राम पेज है, जहाँ वह 2000+ से ज़्यादा लोगों से जुडी हुई है, अपने लिखन और वॉइस ओवर रील्स के माध्यम से। उनका लक्ष्य है, की वह कभी करोड़ों लोगों की आवाज़ बने, एक मोटिवेशनल स्पीकर बने और लोगों को प्रेरित करें। ये बहुत संकलन में काम कर चुकी है अभी भी कर रही है , बहुत संकलन में ये खुद संकलक भी रह चुकी हैं। इनकी अपनी संकलन है, कलयुग- काल का युग , दिल की बातें (Sarvad Publication), हाल -ए -ज़िंदगी - The Untamned (Brown Page Publication), Culture Vs Modernity (Ek Shayar Ki Baate Publication), 90's Memories- The Nostalgia Alert (Uniq Publication) और हाली में लांच हुआ है, माँ -एक सच्ची कहानी, एक संघर्ष की निशानी (JEC Publication) और बहुत से समाचार पत्र में भी प्रकाशित हुई है। जैसे की, संस्कार समाचार, The Gram Today समाचार, Redhanded समाचार, हम हिंदूस्तानी USA (एक साप्ताहिक हिंदी बिदेशी समाचार पत्र), Coalfield Mirror समाचार, युग जागरण समाचार, दैनिक रोशनी समाचार, रुहेला टाइगर्स टाइम्स समाचार, दैनिक साहित्य समाचार, इंदौर समाचार, भारत टाइम्स समाचार, झंझट टाइम्स और राजगीर फ्रंटलाइन समाचार पत्र।इन्हे बहुत पदक, सम्मान पत्र और ट्रॉफी से सम्मानित किया गया है।

विश्वाकाश ग्रंथ रचनाकार के द्वारा सम्मानित पत्र प्राप्ति हुई है इन्हे। विश्वाकाश के चमकते सूर्य 2023 में मिला है इन्हे सम्मान पत्र।

इनकी पुस्तके Amazon, Flipkart पर है और Play Book Store पर भी है। और ये सफलता का श्रेय अपने ईश्वर, अपने पिता -माता और अपने करीबी लोगों को देती है।और बिश्वास करती है की अगर आत्मबिस्वास हो तो इंसान अपनी परिस्थिति का सामना कर, अपनी किस्मत खुद बदल सकता है।

संध्या चतुर्वेदी, मथुरा, उप्र

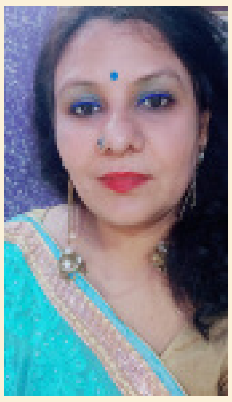

कैसी यह मुहब्बत

कैसी यह मुहब्बत है दोस्तो
कट रही रोज टुकडों में दोस्तों

जब प्यार था तब घर वार छोड़ दिया
आज उस ने ही यार प्यार छोड़ दिया

दिल से उतार फैंक दो उसे तुम
जिसने तुझे दिल से निकाल दिया

सौ टुकड़ो में कटने से अच्छा है
कि अकेले जिंदा रह लेना दोस्तों

जिंदगी जीने की सौ वजह ढूंढ लेना दोस्तों
तुम्हारे साथ जो हो रहा उस से उबर कर

दूसरों के लिए थोड़ा जी लेना दोस्तों
गम न करना मुहब्बत गंवाने का जरा भी

मिलती नहीं यह जिंदगी दुबारा तो
कुछ अपनी फिक्र कर लेना दोस्तों।।

ममता सिंह राठौर कानपुर

कदम भी अपना सफर

मोहब्बत लिखा तो पूछा यह क्या लिखा
नफरतों में यही सवाल किसके लिए लिखा।।

अरे बाबा लिखने दीजिए ख़ुद से जीने दीजिए
मन के विस्तृत आंगन में आने _ जाने दीजिए।।

अनुभवों के रंग से जिंदगी रगने दीजिए
अरे बाबा जिंदगी के स्वाद को चखने दीजिए।।

हदों के पार का ख़ामोश देखिए
मोल _तोल के बीच का झोल देखिए।।

अरे देखिए तो सही
जिंदगी का कड़वा कठोर देखिए
कदम भी अपना सफर भी अपना चलते चलिए।।

कही _सुनी कुछ _तुड़ी मुड़ी
मीठी खट्टी मिली जुली
यह जिंदगी किसकी खातिर,
मन के माफिक कौन है साथी।।

राजेन्द्र प्रसाद, मो. 9868141361

जिंदगी में सुख–दु:ख की ढलान

वास्तव में सुख का अर्थ--जो मिल रहा है, उसका आनंद लेना और दुःख का अर्थ--मुझे और चाहिए। सुख प्राप्ति का यह मतलब नहीं कि आपको जो अच्छा लगे, आप वह कर सकें बल्कि यह है कि जो आप करें, वह अच्छा हो। सुख व्यक्ति के अहंकार की परीक्षा है जबकि दुःख व्यक्ति के धैर्य की परीक्षा है। दोनों परीक्षा में उत्तीर्ण व्यक्ति का जीवन ही सफल जीवन है। सुख के लिए संतोषी बनना ज्यादा श्रेयस्कर है क्योंकि संतोष सुख की जड़ है, असंतोष में तो दुःख पनपता है। सुख औरआनंद ऐसे इत्र हैं जिन्हें जितना दूसरों पर छिड़केंगे, उतनी ही सुगंध आपके भीतर आएगी।

सुखी होने के बहुत रास्ते हैं, पर औरों से ज्यादा सुखी होने के रास्ते नहीं हैं। दूसरे को दोषी बनाने का जो सुख समझते हैं, उसके लिए असली दुःख कहीं ज्यादा बड़ा है। सुख-दुःख की न तो कोई परिभाषा है और न ही कोई सीमा। सुखी होने के चक्कर में बहुत से लोग पूरी जिंदगी दुःखी रहते हैं। दुःख में स्वयं की एक अंगुली आंसू पोंछती है और सुख में दसों अंगुलियां बजती हैं। दुःख जीवन में इसलिए आते हैं ताकि हम सुख का महत्व समझ सकें। किसी को अपना दुःख दर्द देता है तो किसी को दूसरों का सुख दर्द देता है। अगर हम पेंसिल बनकर किसी का सुख नहीं लिख सकते तो अच्छी रबड़ बनकर किसी का दुःख कम तो कर सकते हैं। किसी को चाह कर भी दुःख नहीं देना चाहिए, क्योंकि कई बार किसी को दी गई चीख कई गुना होकर वापस लौटती है। इच्छाएं, सपने, उम्मीदें और नाखून--इन्हें समय-समय पर काटते रहें, अन्यथा ये दुःख और पश्चाताप का कारण बनते हैं।

इंसान दों अवस्थाओं में बेबस है--दुःख बेच नहीं सकता और सुख खरीद नहीं सकता। सुखी व्यक्ति वह है जो निरंतर स्वयं का मूल्यांकन एवं सुधार करता है, जबकि दुःखी व्यक्ति वह है जो दूसरों का मूल्यांकन करने में लगा रहता है। सचमुच कुदरत ने तो आनंद दिया था, दुःख तो हमारी खोज है। कहते हैं कि दुःख बांटने से कम होता है, पर बहुत बार इंसान अपनों को दुःख इसलिए नहीं बताता कि कोई दुःखी न हो जाए या उन्हें बताने लायक नहीं समझता। किसी ने कहा है कि मनुष्य अपनी इच्छाएं त्यागकर अर्थवान हो जाता है और लालच तजकर मनुष्य सुखी हो जाता है।

किसी ने खूब कहा है कि किसी के सुख का कारण बनो,भागीदार नहीं और दुःख में भागीदार बनो, कारण नहीं। किसी को दुःख देने से पहले यह सोच लेना कि उसके आंसू कहीं आपके लिए सजा न बनजाएं। देखने में आया है कि दूसरों का भला करने वाले को ज्यादा कष्ट और तकलीफें उसी तरह झेलनी पड़ती जैसे फल देने वाले पेड़ को सबसे ज्यादा पत्थर झेलने पड़ते हैं। जिसे जीना आता है,वह बिना किसी सुविधा के भी खुश मिलेगा और जिसे जीना नहीं आता,वह सुविधाओं के होते हुए भी दुःखी मिलेगा।

यकीनन हम खुशी के लिए सोचेंगे तो खुश रहेंगे और दुःख के विषय में सोचेंगे तो दुःखी रहेंगे। सुखी रखना बेशक हमारे हाथ में नहीं है, लेकिन किसी को दुःख न देना जरूर हमारे हाथ में है। सुख-दुःख मेहमान हैं,बारी-बारी आएंगे, कुछ दिन ठहर कर चले जाएंगे। दुःख को सुख में बदलते रहिए, धीरे-धीरे ही सही, पर चलते रहिए। दुःख हमारी सोच में ज्यादा बसता है। अतः सोच बदलिए, दुःख अगर किसी कारण खत्म नहीं तो कम जरूर हो जाएंगे। दुःख जीवन में इसलिए आते हैं ताकि हम सुख का महत्व समझ सकें। अगर वो नहीं आएंगे तो अनुभव कहां से लाएंगे? अगर दुःखी रहने में आनंद लेना हो तो दूसरों में कमी खोजो और सुखी रहना हो तो गुण खोजो।

जीवन में जब हम खराब दौर से गुजरते हैं, तब मन में यह विचार जरूर आता है कि परमात्मा मेरी परेशानी देखता क्यों नहीं, मेरे दुःख कम क्यों नहीं करता। पर याद रखना, जब परीक्षा चल रही होती है, तब शिक्षक मौन रहते हैं।

दुःखी सब हैं संसार में, कौन है जो पूर्णतः सुखी है? कटु सत्य है कि किसी को अपना दुःख दर्द देता है तो किसी को दूसरों का सुख दर्द देता है। अपने को खुश रखोगे तो दूसरे तुमसे खुश रहेंगे। खिन्न रहने वाले किसी की खुशी हासिल नहीं कर सकते। जिसे मन स्वीकारे, वह सुख और जिसे अस्वीकारे, वह दुःख।

हमें परमपिता परमेश्वर की व्यवस्था पर अटूट विश्वास रखना चाहिए। क्योंकि वही सृष्टि के निर्माता, पालनहार और संहारक हैं। वही मनुष्य के कर्मों का हिसाब रखते हैं और वही हमारे दुखों का अंत भी करते हैं। विपदा में लोग भगवान को याद करते हैं, लेकिन बुरी घड़ी टल जाती है तो फिर उसे भूल जाते हैं। यदि मनुष्य सुख के समय भी भगवान को न भूले, उनका सुमिरन करता रहे तो भला दुःख आएगा ही क्यों?

जीवन में दो बातें ध्यान रखने लायक हैं। एक तो यह कि प्रभु जो सुख-दुःख देते हैं, उसमें इस जन्म या पूर्व जन्म में किए गए कर्म का फलादेश जुड़ा होता है। यानी बुरे कर्म का बुरा फल, अच्छे का अच्छा फल। दूसरा, जीवन रूपी सड़क पर लंबा सफर करते हैं तो चढ़ाई आने के बाद दुःख और समतल में सुख आता रहता है। कई बार प्रभु अपने भक्त को असमंजस में डालते हैं और ऐसा करके प्रभु अपने भक्त की आस्था, विश्वास, सोच, संकल्प आदि की परीक्षा ले रहे होते हैं। सुख और दुःख एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।

इतिहास झांकू - भीष्म कुकरेती

समोसे का भारत में इतिहास

मुझे नहीं पता आज देहरादून में समोसा संस्कृति कितनी ज़िदा है पर यह पता है कि समोसा भारत में नहीं जन्मे पर हम जब भारत की कल्पना करते हैं तो हमें आज का भारत ही याद आता है। कभी भारत बहुत बड़ा क्षेत्र था। कहा जाता है कि समोसे का जन्म मिडल ईस्ट में हुआ। बात में दम है समोसे में नमक कम है व मैदा से बनता है क्योंकि अमूनन आम भारतीय आज भी मैदे से दूर रहता है केवल विशेष पकवान छोड़कर।

कहा जाता है कि ईरान में यह पकवान 9 या 10 सदी में सम्बुसक, या सम्बोसाग के नाम से जानता जाता है। ईरानी साहित्य में संबोसग, संबोसा , सम्बुसक का सबसे पहले संदर्भ 10 वीं सदी में मिलता है। ईरानी इतिहासकार की किताब 'तारीख -ए -बेयहागी ' (दसवीं सदी) में मिलता है और माना जाता है कि घुमन्तु व्यापारियों ने इस तिकोने मीठे भोज्य पदार्थ को दुनिया के अन्य कोनों में पंहुचाया। भारत में समोसा शायद 12 वीं या 13 वीं में व्यापारी या खानसामों द्वारा भारत में आये व सुल्तान के रसोई के शान बन गया। मोरोका यात्री इब्न बटाटा ने अपनी यात्रा वृत्तांत में लिखा है कि सुलतान बिन तुगलक के शाही भोजन गृह में उसे तिकोने सम्बुसक भोजन में दिए गए जिसके अंदर मस्यट, मटर पिस्ता, बादाम व अन्य स्वादिस्ट पदार्थ भरे थे। तेरवीं सदी में महान सूफी विद्वान अमीर खुसरो ने लिखा है कि समोसा भद्र लोग खाते थे। मटन, मसालों व अन्य पदार्थों से समोसा बनता था।

अमीर खुसरों ने एक पहेली भी दी -

समोसा क्यों नहीं खाया? जूता क्यों नहीं पहना? ताला न था। (जूते के सोल ताला कहा जाता है)

अकबर के रत्न अबुल फजल ने 'आइना -ए -अकबरी में लिखा है कि बादशाह अकबर को समोसे पसंद थे। ब्रिटिश या यूरोपियन लोगों को भी समोसा गया तो उन्होंने भी समोसे को गले नहीं लगाया अपितु गले में उतार दिया।

समोसों में क्षेत्रीय भेद

स्वतंत्रता के पश्चात भारत में सर्वत्र समोसा संस्कृति प्रसार में सिंधी व पंजाबियों का योगदान है। अपनी भूमि से निर्वासियत हुए पंजाबियों ने होटल ही नहीं सड़कों में रेडिओ द्वारा भी समोसा संस्कृति का प्रसार किया।

अब तो समोसा अंतर्राष्ट्रीय ख्याति पा चुका है भारत में प्रांतीय व क्षेत्रीय स्वाद अनुसार कई प्रकार के समोसे उपलब्ध हैं।

समोसा के मुख्य प्रकार- दो तरह से वर्गीकरण हो सकता है -

१- आटे के अनुसार विभाजन जैसे मैदा के समोसे, बाजरे के समोसे, नाचनी-बेसन के समोसे, निखालिश गेंहू के आटे का समोसा आदि आदि

२- भरान द्रव्य अनुसार समोसों का विभाजन - भरान श्रव्य जैसे आलू , मटर; चीज, भिन्न भिन्न कीमा, कुछ सब्जी भी भरकर। इसी तरह मीठा समोसा जिस पर भरान में गुड़ या चीनी डाला जाता है।

समोसे का विभाजन अब कैसे पके के अनुसार भी हो रहा है। तिल में सघन पके समोसा व एयर फ्राइड समोसे।

भारत में समोसा के भरान में क्षेत्रीय भेद मिलता है जैसे - पूर्व में समोसे के अंदर आलू , हरी मिर्च, मसाले -नमक के अतिरिक्त हींग डालना सामान्य है। बंगाल में उबले आलुओं को चुरा नहीं जाता अपितु चाकू से छोटे टुकड़े किये जाते हैं व भर दिए जाते हैं। उत्तरी भारत में आलू को चुरा जाता है व तेल में सब्जी जैसा भुना जाता है तभी भरा जाता है। यह अंतर् मुंबई में भी मिलता है खार बाँद्रा, साइन आदि में उत्तरी भारत तकनीक से समोसा बनता है। शेष स्थानों में कोंकणी शैली में भी पकाया जाता है जैसे नारियल चुरा भरण में प्रयोग होता है। दक्षिण में भरण में प्याज, गाजर, मसाले, पता गोभी व कड़ी पत्तों को भरा जाता है व नारियल भी।

कुछ भी है समोसा आज भारत की पहचान है।

रचनाकार- अनुजीत इकबाल, लखनऊ

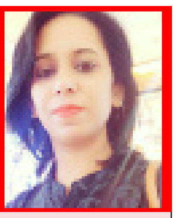

अंतिम सुख

पतझड़ की असंख्य आवृत्तियां
लेकिन बसंत का आना
जैसे अवरूद्ध है
और जीवन अरण्य
रिक्तता का पर्याय बन रहा है
मैं तुम्हारे दुर्निवार मोह में
अपने ही अक्ष पर झुकी हुई
परिक्रमण करती रहती हूं निरंतर
लेकिन कोई ऋतु नहीं बदलती
आखिर वो तुम ही हो
जिसके स्पर्श से हो सकता था
देह के शिशिर का अवसान
और प्रस्फुटित हो सकती थी
सौम्य सी कोई कोंपल
मन के अंतर्द्वंद्व
और विकल अनुबंधों से
जब मुक्त हो जाऊं
तब तुम आना
जीवन को पुनर्परिभाषित करने
किसी अंतिम सुख की तरह।।

राजीव डोगरा, कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

माँ का आंचल

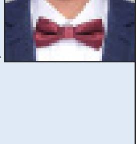

माँ! ममतामय आंचल में
फिर से मुझे छुपा लो
बहुत डर लगता है मुझे
दुनिया के घने अंधकार में।
माँ! फिर से अपने प्यार भरे
अहसासों के दीप
मुझ में आकर जला दो।
माँ! खो न जाऊ कहीं
दुनिया की इस भीड़ में
माँ! फिर हाथ थाम मेरा
कदम से कदम मिला
मुझे चलना सीखा दो।
माँ! डरा सहमा सा रहता हूं
मतलबखौर लोगों की भीड़ में
माँ! अपना ममतामय आंचल उड़ा
मुझे फिर से अपनी
प्यार भरी लोरी गा सुला दो।

नमिता गुप्ता मनसी
मेरठ , उत्तर प्रदेश

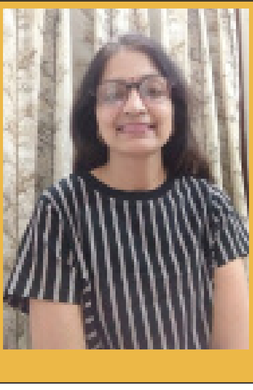

विजय

सुनों, मत करो चिंतन गहन,
बह जाने दो, कह जाने दो..
आंसुओं को,
ये ही तो रूपरेखाएं हैं,
तुम्हारी श्री विजय की!!

तम तो भ्रम है, वो भी एक क्रम है,
एक अवसर है..प्रभात किरण का,
फिर डर कैसा, ये भ्रम कैसा,
निस्वार्थ बढें तो
टल सकती सभी बाधाएं हैं,
ये ही तो रूपरेखाएं हैं,
तुम्हारी श्री विजय की !!

सुनों, उठाओ तो गांडीव..
चढाओ प्रत्यंचा भी ,
कि पराजय सभी तुम्हारी
बन चलेंगीं सारथी,
समय साक्षी है,
युग-युग की कथाएं भी,
जब भी उपेक्षित होता है सच
कमजोरियां ही बन जाती हैं कवच,
प्रयत्न करने से ही बदलती रेखाएं हैं,
ये ही तो रूपरेखाएं हैं,
तुम्हारी श्री विजय की!!
इसलिए कोशिश करो..
अर्जुन बनों..
हां, अर्जुन बनों.. !!

पेट की चर्बी कम करने के लिए रोजाना खाली पेट पिएं हल्दी वाला पानी

बढ़ते वजन को कंट्रोल करने के लिए लोग नाना प्रकार के जतन करते हैं। कुछ लोग जिम का सहारा लेते हैं, तो कुछ लोग डाइटिंग करते हैं। वहीं, कुछ लोग घरेलू नुस्खे अपनाते हैं।

हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो जंक फ़ूड के अत्यधिक सेवन से शरीर में फैट बढ़ने लगता है। एक बार वजन बढ़ने के बाद कंट्रोल करना आसान नहीं होता है। वहीं, लगातार बढ़ते वजन से शरीर का स्वरूप भी बदल जाता है। साथ ही कई बीमारियां भी दस्तक देती हैं।

इसके लिए वजन को कंट्रोल में रखना जरूरी है। अगर आप भी बढ़े हुए पेट की चर्बी को कम करना चाहते हैं, तो रोजाना खाली पेट हल्दी वाला पानी जरूर पिएं। कई शोधों में खुलासा हो चुका है कि हल्दी पानी पीने से बढ़ते वजन को आसानी से कंट्रोल किया जा सकता है। आइए जानते हैं-

हल्दी

हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो वजन घटाने में हल्दी फायदेमंद साबित होती है। इसमें कई आवश्यक पोषक तत्व जैसे एंटीऑक्सीडेंट्स, एंटी-इंफ्लेमेटरी, करक्यूमिन और पॉलीफेनॉल पाए जाते हैं, जो शरीर में मौजूद एक्स्ट्रा फैट को बर्न करने में सहायक होते हैं। एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों के चलते यह पेट की चर्बी कम करने में सहायक होते हैं।

इसके लिए रोजाना हल्दी वाला पानी पिएं। इससे शरीर में मौजूद टॉक्सिन बाहर निकल जाता है। इसके अलावा, हल्दी वाला पानी पीने से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। वहीं, बदलते मौसम में होने वाले बीमारियों का खतरा भी कम हो जाता है।

लगातार बढ़ते वजन से शरीर का स्वरूप भी बदल जाता है। साथ ही कई बीमारियां भी दस्तक देती हैं। इसके लिए वजन को कंट्रोल में रखना जरूरी है। अगर आप भी बढ़े हुए पेट की चर्बी को कम करना चाहते हैं, तो रोजाना खाली पेट हल्दी वाला पानी जरूर पिएं। कई शोधों में खुलासा हो चुका है कि हल्दी पानी पीने से बढ़ते वजन को आसानी से कंट्रोल किया जा सकता है।

कैसे करें सेवन

इसके लिए हल्दी की एक गांठ को एक गिलास पानी में अच्छी तरह से उबाल लें। इस पानी को तब तक उबालें। जब तक पानी आधा न हो जाए। इसके बाद चाय छन्नी की मदद से हल्दी पानी को छान लें। अब शहद मिलाकर इसका सेवन करें। आप चाहे तो स्वाद बढ़ाने के लिए हल्दी पानी में अदरक, नमक और काली मिर्च मिक्स कर सकते हैं। इस पानी को रोजाना पीने से पेट की चर्बी कम करने में मदद मिलती है।

जीभ जल जाए तो तुरंत करें यह उपाय, नहीं होगा संक्रमण

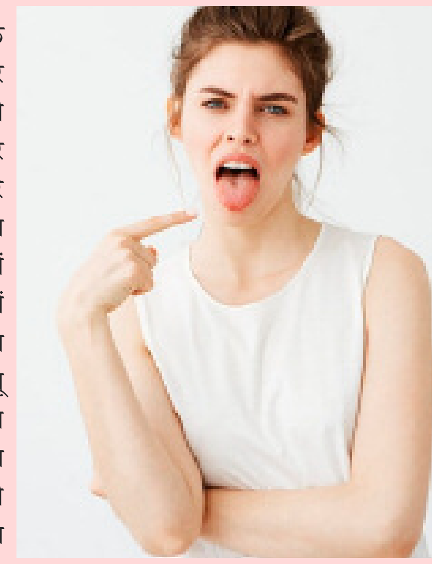

अक्सर चाय पीने या कुछ गर्म खाने के बीच में हम अपनी जीभ जला लेते हैं और फिर कई दिनों तक जली हुई जीभ की जलन से परेशान रहते हैं। आमतौर पर जीभ में जलन की समस्या धीरे-धीरे अपने आप ठीक हो जाती है, लेकिन अगर यह ज्यादा जल जाए तो यह हमें कई दिनों तक परेशान करती है। ऐसे में कुछ घरेलू नुस्खों की मदद से आप जलन को शांत कर सकते हैं और जले हुए टिश्यू को ठीक कर सकते हैं। स्वास्थ्य रेखा इसके अनुसार जीभ में जलन एक आम समस्या है जिसे प्राथमिक उपचार की मदद से ठीक किया जा सकता है। लेकिन अगर यह ज्यादा जलता है तो इस स्थिति में बर्निंग माउथ सिंड्रोम हो सकता है, जिसे इडियोपैथिक ग्लोसोपायरोसिस भी कहा जाता है। यहां हम आपको बताते हैं कि अगर जीभ जल जाए तो उसे तुरंत ठीक करने के लिए आपको क्या करना चाहिए।

जीभ जली हो तो करें ये काम

संक्रमण से बचने के लिए और जीभ पर फर्स्ट-डिग्री बर्न में दर्द को कम करने के लिए, कुछ मिनट के लिए मुंह में ठंडा पानी रखें और कुल्ला करें। ठंडे पानी से गरारे करें या कुल्ला करें। इसके लिए एक कप पानी में 1/8 चम्मच नमक का घोल बनाकर इस्तेमाल करें। गर्म या गर्म तरल पदार्थों से बचें, जिससे जलन हो सकती है। दर्द और सूजन के लिए डॉक्टर की सलाह पर दवा ली जा सकती है। ज्यादा जलन होने पर डॉक्टर से संपर्क करें।

ये हैं घरेलू नुस्खे

बेकिंग सोडा से धो लें. इससे दर्द में आराम मिलेगा। ठंडा दही, लस्सी, आइसक्रीम खाएं। पुदीना का प्रयोग करें। इसके लिए आप च्युइंग गम का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। दर्द से राहत के लिए जीभ पर कुछ चीनी के दाने या शहद लगाकर मुंह को कुछ देर के लिए बंद रखें। दर्द को कम करने के लिए अपने मुंह में बर्फ के टुकड़े या चिप्स डालकर चूसें।

त्वचा पर चाहते हैं कुदरती निखार, तो अपनाएं ये 3 आयुर्वेदिक उपाय

महिलाओं की ख़्वाहिश होती है कि उनकी त्वचा बेदाग और खूबसूरत हो। दमकती त्वचा पाने के लिए महिलाएं कई तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं, लेकिन इससे स्किन डैमेज हो सकती है। बिना मेकअप के चेहरे में निखार चाहती हैं, तो नेचुरल तरीके से त्वचा की देखभाल करें। ग्लोइंग स्किन पाने के लिए आयुर्वेदिक फेस पैक का इस्तेमाल कर सकती हैं। इस फेस मास्क को आप खुद घर पर बना सकती हैं। आइए जानते हैं, फेस पैक बनाने का तरीका।

बेसन और हल्दी का पैक: त्वचा की खूबसूरती बढ़ाने में हल्दी काफी फायदेमंद होती है और बेसन से चेहरे के दाग-धब्बे कम हो सकते हैं। इसके लिए एक बड़े चम्म्च बेसन में एक चुटकी हल्दी मिलाएं और गुलाब जल की मदद से पेस्ट बना लें। चाहें तो आप कच्चे दूध की मदद से भी पेस्ट बना सकती हैं। अब इसे चेहरे पर लगाएं, 15-20 मिनट बाद पानी से धो लें।

चंदन पाउडर और गुलाब जल का फेस पैक: चंदन त्वचा की खूबसूरती निखारने में बेहद मददगार है। यह त्वचा को बेदाग और कोमल बनाने में कारगर हो सकता है। इससे फेस मास्क बनाने के लिए एक कटोरी में दो चम्मच चंदन पाउडर लें, अब इसमें गुलाब जल मिलाएं। इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं, 15-20 मिनट बाद पानी से धो लें। इससे आपकी त्वचा में निखार आएगा।

केसर और शहद का फेस मास्क: केसर का इस्तेमाल सेहत के साथ त्वचा को निखारने के लिए भी किया जाता है।

बच्चों में कॉन्फिडेंस बढ़ाने के लिए अपनाएं ये टिप्स, बेहतर होगा उनका फ्यूचर

हर पेरेंट्स चाहते हैं कि उनका बच्चा कॉन्फिडेंट हो। वह किसी भी स्थिति में नर्वस फील न करें। अक्सर बच्चे कॉन्फिडेंट न होने का कारण बहुत सारी एक्टिविटीज में भाग नहीं ले पाते हैं और सुनहरा मौका गंवा देते हैं। कॉन्फिडेंस होना भी, एक तरह की स्किल है। जो बच्चों को सीखाना बेहद जरूरी है। ऐसे में पेरेंट्स की जिम्मेदारी बनती है कि वो अपने बच्चों को बचपन से ही कॉन्फिडेंट बनाना सीखाएं। कई तरीकों से बच्चों में उत्साह और विश्वास ला सकते हैं। आइए जानते हैं, बच्चे का कॉन्फिडेंस बढ़ाने के लिए कुछ असरदार टिप्स।

अच्छे काम के लिए तारीफ करें

जब आपका बच्चा कोई अच्छा काम करें, तो उसकी तारीफ करना न भूलें। बच्चे अपने पेरेंट्स से तारीफ सुनना चाहते हैं। वो चाहते हैं कि आप उनके काम को नोटिस करें। चाहे उन्होंने अपने खिलौने को सही जगह पर रखा हो, डांस किया हो या ड्राइंग बनाई हो।

आप बच्चों की प्रयासों के लिए उनकी तारीफ जरूर करें। इससे बच्चे प्रेरित होंगे और उनमें आत्मविश्वास की कमी नहीं होगी।

प्यार जताएं

चाहे बच्चे हो या बड़े, सब प्यार के भूखे होते हैं। ये हमें आत्मविश्वास से भर देता है। कई पेरेंट्स बच्चों के हर बात पर भड़क जाते हैं। जिससे बच्चा डरपोक होता है। आप अपने बच्चे से प्यार जताएं। उन्हें इस बात का भरोसा दिलाएं कि आप उनसे बेशुमार प्यार करते हैं और ये भी कहें कि किसी प्रॉब्लम में आप बच्चे का साथ नहीं छोड़ेंगे। उनकी ताकत बनें, तभी आपका बच्चा आपसे हर बात शेयर करेगा।

निगेटिव चीज़ों से दूर रखें

बच्चे गलत आदतों को बहुत जल्दी सीखते हैं। ऐसे में आप आसपास के माहौल पर ध्यान दें और बच्चों को निगेटिव माहौल से दूर रखें।

उनसे हमेशा पॉजिटिव बातें करें, कभी न कहें कि तुम इस काम को नहीं कर पाओगे, तुम पढ़ाई में विक हो आदि नकारात्मक बातें न करें। उन्हें प्रोत्साहित करने की कोशिश करें।